प्रधान टाइम्स

एम्स में 7वां दीक्षांत समारोह कल

- राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में बृहस्पतिवार 23 अप्रैल गुरुवार को 6 वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में देश की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति प्रस्तावित है।

इस अवसर पर भारत के उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। साथ ही, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह सेवानिवृत्त एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशिष्ट अतिथि एवं श्रीमती अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक भारत सरकार के रूप में उपस्थित रहेंगे। मंगलवार को एम्स परिसर में समारोह को लेकर कार्यकारी निदेशक एम्स प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह एवं डीन एकेडमिक प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय की पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि देश को समर्पित, सक्षम एवं नैतिक स्वास्थ्य पेशेवरों के निर्माण की दिशा में एम्स ऋषिकेश की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि छठवें दीक्षांत समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 386 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस बैच 2019 सहित पूर्व बैच के 2 छात्र, बी.एससी. नर्सिंग बैच 2021, एमडी,एमएस,एमडीएस,बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023, एम.एससी. नर्सिंग बैच 2023, एम.एससी. मेडिकल बैच 2022, एमपीएच बैच जनवरी 2024, डीएम,एम.च. बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023 तथा पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कुल 23 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 5 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल हैं उनके मुताबिक इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को 21 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस', 5 'सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन' तथा 13 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' भी प्रदान किए जाएंगे उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा पदक (07) पाने वाले एमबीबीएस के छात्र डॉ. देवांग अग्रवाल हैं, जिनको 07 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर एवं 01 सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस भी मिल रहा है।

वहीं, दूसरे स्थान पर पदक (02) पाने वाली छात्रा डॉ. रश्मीत कौर हैं, जिनको 02 सर्टिफिकेट ऑफ एप्रीसिएशन एवं 03 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी मिल रहे है कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह जी ने संस्थान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए एम्स, ऋषिकेश की तेजी से विकसित होती क्लिनिकल सेवाओं, शिक्षा एवं अनुसंधान क्षमताओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

बताया गया कि संस्थान वर्तमान में 49 विभागों के माध्यम से सुपर-स्पेशियलिटी एवं उभरते स्वास्थ्य क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहा है। एम्स, ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देते हुए टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एरोमेडिकल सेवाएं जैसी पहलें शुरू की हैं, जो विशेषरूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। संस्थान ने अब तक 1.5 लाख से अधिक सर्जरी, 7,000 से अधिक नवजात उपचार तथा हजारों टेलीमेडिसिन परामर्श सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं, जो क्षेत्र में बढ़ते विश्वास और संस्थान की उत्कृष्ट सेवाओं को दर्शाते हैं।

हिन्दुस्तान

उपराष्ट्रपति एम्स में 386 छात्रों को देंगे डिग्री

दीक्षांत समारोह

डॉ. देवांग को मिलेंगे सबसे अधिक पदक

एम्स ऋषिकेश की निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि समारोह में सबसे ज्यादा पदक पाने वाले एमबीबीएस के छात्र डॉ. देवांग अग्रवाल हैं, जिनको 07 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर और 01 सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस भी मिल रहा है। वहीं, दूसरे स्थान पर पदक पाने वाली छात्रा डॉ. रश्मीत कौर हैं, जिनको 02 सर्टिफिकेट ऑफ एप्रीसिएशन और 03 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी मिल रहे है।

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में 23 अप्रैल को छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 386 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान करेंगे।

मंगलवार को एम्स में आयोजित पत्रकार वार्ता में निदेशक एम्स प्रो. मीनू सिंह एवं डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने बताया कि समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक) अनुप्रिया पटेल मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि देश को समर्पित, सक्षम एवं नैतिक स्वास्थ्य पेशेवरों के निर्माण की दिशा में एम्स ऋषिकेश की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। दीक्षांत समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 386 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य पदक दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को 21 सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, 5 सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन तथा 13 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी प्रदान किए जाएंगे। समारोह में कुल 23 पदक प्रदान किए जाएंगे। निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि एम्स, ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देते हुए टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एरोमेडिकल सेवाएं तथा एचईएमएस जैसी पहल शुरू की हैं, जो विशेषरूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। बताया कि संस्थान वर्तमान में 49 विभागों के माध्यम से सुपर-स्पेशियलिटी एवं उभरते स्वास्थ्य क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहा है

अमर उजाला

उपराष्ट्रपति के हाथों 386 छात्र-छात्राओं को मिलेगी डिग्री

एम्स का छठवां दीक्षांत समारोह कल, राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह व सीएम पुष्कर सिंह धामी भी होंगे शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। अपनी स्थापना के बाद से चिकित्सा जगत को बेहतरीन डॉक्टर देने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है। संस्थान के छठवें दीक्षांत समारोह में पहली बार देश के उपराष्ट्रपति बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

23 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में 386 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी, जबकि 17 मेधावी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष पदकों से नवाजा जाएगा। मंगलवार को एम्स परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह, सीएम पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक) अनुप्रिया पटेल मौजूद रहेंगे।

पत्रकारों से बातचीत करतीं निदेशक प्रो. मीनू सिंह। संवाद

प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि समारोह में एमबीबीएस (बैच 2019 सहित पूर्व बैच के 2 छात्र), बीएससी नर्सिंग (बैच 2021), एमडी/एमएस/एमडीएस (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023), एमएससी नर्सिंग (बैच 2023), एमएससी मेडिकल (बैच 2022), एमपीएच (बैच जनवरी 2024), डीएम/एमच (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर कुल 23 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिसमें 13 स्वर्ण, 5 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 21 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, 5 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन तथा 13 छात्रों को सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी प्रदान किए जाएंगे। उपाधि प्राप्त करने के लिए समारोह में 318 छात्र-छात्राएं मौजूद रहेंगे। 68 छात्र-छात्राएं देश से बाहर होने या अन्य कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय व पीआरओ डॉ. श्रीलॉय मोहंती मौजूद रहे।

2012 में हुई थी पहले एमबीबीएस बैच की शुरुआत : ऋषिकेश में एक फरवरी 2004 को एम्स का शिलान्यास हुआ था। एम्स के मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2012 से एमबीबीएस के पहले बैच की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में यहां एमबीबीएस की 125 सीटें हैं। यहां नर्सिंग कॉलेज में बीएससी व एमएसी नर्सिंग के पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

डॉ. देवांग को सबसे अधिक सात पदक, बनेगा रिकॉर्ड

एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस छात्र देवांग अग्रवाल अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि से खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। सबसे ज्यादा सात पदक पाने वाले एमबीबीएस के छात्र डॉ. देवांग अग्रवाल हैं, जिनको सात पदकों के अलावा सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर एवं सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस भी मिल रहा है। जो अब तक किसी एक छात्र या छात्रा को मिलने वाले सर्वाधिक पदकों का रिकॉर्ड होगा। वहीं दूसरे स्थान पर दो पदक पाने वाली छात्रा डॉ. रश्मीत कौर हैं, जिनको दो सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन एवं 03 सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर भी मिल रहे है।

नवोदय टाइम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में 23 अप्रैल को 6वां दीक्षांत समारोह

समारोह में देश की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति प्रस्तावित है

श्यामपुर, 21 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में बृहस्पतिवार 23 अप्रैल गुरुवार को 6वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में देश की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति प्रस्तावित है।

इस अवसर पर भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

साथ ही, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) एवं उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशिष्ट अतिथि एवं अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक), भारत सरकार (गेस्ट आफ ऑनर) के रूप में उपस्थित रहेंगे। मंगलवार को एम्स परिसर

तैयारियों को लेकर जानकारी देते एम्स के डीन प्रो. गौरव वार्ष्णेय।

में समारोह को लेकर कार्यकारी निदेशक एम्स प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह जी एवं डीन एकेडमिक प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय की पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि देश को समर्पित, सक्षम एवं नैतिक स्वास्थ्य पेशेवरों के निर्माण की दिशा में एम्स ऋषिकेश की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि छठवें दीक्षांत समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 386 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस (बैच 2019 सहित पूर्व बैच के 2 छात्र), बी.एससी. नर्सिंग (बैच 2021), एमडी/ एमएस/एमडीएस (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023), एम.एससी. नर्सिंग (बैच 2023), एम.एससी. मेडिकल (बैच 2022), एमपीएच (बैच जनवरी 2024), डीएम/एम.च. (बैच जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कुल 23 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 5 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल हैं।

उनके मुताबिक इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को 21 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस', 5 'सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन' तथा 13 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' भी प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा पदक (07) पाने वाले एमबीबीएस के छात्र डॉ. देवांग अग्रवाल हैं, जिनको 07 सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनर एवं 01 सर्टिफिकेट ऑफ़ एक्सीलेंस भी मिल रहा है।

वहीं, दूसरे स्थान पर पदक (02) पाने वाली छात्रा डॉ. रश्मीत कौर हैं, जिनको 02 सर्टिफिकेट ऑफ़ एप्रीसिएशन एवं 03 सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनर भी मिल रहे है। कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह जी ने संस्थान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए एम्स, ऋषिकेश की तेजी से विकसित होती क्लिनिकल सेवाओं, शिक्षा एवं अनुसंधान क्षमताओं पर प्रकाश डाला जाएगा। बताया गया कि संस्थान वर्तमान में 49 विभागों के माध्यम से सुपर-स्पेशियलिटी एवं उभरते स्वास्थ्य क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहा है।

एम्स, ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देते हुए टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एरोमेडिकल सेवाएं तथा एचईएमएस जैसी पहलें शुरू की हैं, जो विशेषरूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं।

संस्थान ने अब तक 1.5 लाख से अधिक सर्जरी, 7,000 से अधिक नवजात उपचार तथा हजारों टेलीमेडिसिन परामर्श सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं, जो क्षेत्र में बढ़ते विश्वास और संस्थान की उत्कृष्ट सेवाओं को दर्शाते हैं।